

प्रकरण सं. 22/2017

नूरपट्टी उन्नाव


सम्बर पत्रिका  
अधिकार जो इस  
दस्तावेज की तामील  
में जारी हुए

दिनांक

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज


15/4/25

पत्रावली पेश हुई। वारी-जारीवादी आदि-उफ-  
पत्रावली वाले जारीवादी सं-14 के पत्राव हेतु  
दिनांक 20/1/25 को पेश हो।

  
15/4/25


8/1/25

पत्रावली पेश हुई। वारी-जारीवादी आदि-उफ-वारी  
द्वारा संबोधित उन्वान उचित आकार में उपलब्ध नहीं  
करने की आपत्ति जारीवादी आदि-उफ-द्वारा जारी की  
गई। पत्रावली वाले संबोधित उन्वान एवं जारीवादी  
सं-14 के पत्राव हेतु दिनांक 20/1/25 को पेश हो।

  
2/1/25

20/5/25

पत्रावली पेश हुयी सम्बन्ध  
पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य से व्यस्त  
अवकाश में है। पत्रावली साक्षिक आदेश  
दिनांक 12/6/25 को पेश हो।

  
आजम सीडर

13/6/25

पत्रावली पेश हुई। आज स्थानीय बार  
एरोसियेशन का कार्य स्थगन किया  
हुआ है। पीठासीन अधिकारी अन्य राजकीय  
कार्य में व्यस्त है। पत्रावली साक्षिक आदेश  
दिनांक 19/6/25 को पेश हो।

  
आजम सीडर

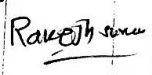
19/6/25

पत्रावली पेश हुई। आज स्थानीय बार  
एरोसियेशन का कार्य स्थगन किया  
हुआ है। पीठासीन अधिकारी अन्य राजकीय  
कार्य में व्यस्त है। पत्रावली साक्षिक आदेश  
दिनांक 11/7/25 को पेश हो।

  
आजम सीडर

11/7/25

पत्रावली पेश हुई। वारी-जारीवादी आदि-उफ-  
नापालक  
द्वारा में विवादाधीन वाद सं- 22/17 उन्वान नूरपट्टी  
बनाम मायरा बानू में वादगस्त भूमि ग्राम पुर को  
की आवाजी सि 560) रकबा 1 बीगा 3 किन्वा भूमि  
के सम्बन्ध में एक अ-ए वाद सं- 29/2016 वादराज  
बनाम वादर रज्जु अन्तर्गत धारा 88, 89, 188 अन्तर्गत



सहस्यकर कर्मचारी  
मीनवाडा

22/17

पूर्ववर्ती बनाम सातवाहन

1/7/25

किसतकसी आदिनिजम विचाराधीन ही न्यायालय  
 हाज में विचाराधीन बाध सं. 29/2016 एवं 22/17  
 में समान विषयवस्तु, समान अनुवीक्ष जाहने एवं  
 समान प्रसकार होने से प्रवृत्तावर्ती वाद की  
 कार्यवाही की सेवा जाना न्यायोचित ही अतः  
 प्रवृत्तावर्ती वाद सं. 22/2017 की कार्यवाही  
 को समाप्त किया जाना ही प्रवृत्तावर्ती वाद सं.  
 22/2017 की पूर्ववर्ती वाद सं. 29/16 के साल  
 नवरीवद्ध किया जाना ही CPC की धारा 10 के उपबन्धों  
 में प्रवृत्तावर्ती वाद को नवरीवद्ध किया जाना ही  
 निर्णय कर इसका अनुवाद  
 वाला प्रजावली फौजल सुमार होकर न्यायिक दफ्तर  
 ही, नम्बर से कम ही तथा प्रवृत्तावर्ती वाद की  
 प्रजावली सं. 22/17 की पूर्ववर्ती वाद की प्रजावली  
 29/16 की प्रजावली के साल नवरीवद्ध किया  
 जाना ही

  
 सहयोगी कलक्टर  
 भीलवाड़ा